संवाद-लेखन

संवाद लेखन भी एक कला है। संवाद कुशलता का जीवन में बहुत महत्व है। जब दो व्यक्ति किसी भी विषय पर बातचीत करते हैं तो उस बातचीत को ही संवाद कहते हैं और जब उस बातचीत को लिखित रूप दिया जाता है तो उसे संवाद लेखन कहते हैं।

संवाद लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए–

1. संवादों की भाषा सरल तथा भावानुकूल हो।
2. संवाद विषय तथा पात्र के अनुकूल हो।
3. वाक्य छोटे, रोचक और प्रभावपूर्ण होने चाहिए।
4. संवादों के वाक्य संक्षिप्त होने चाहिए।
5. संवाद परिस्थितियों के अनुकूल होने चाहिए।
6. संवादों में हास्य-व्यंग्य का पुट भी रहना चाहिए।

Scan to know more about this topic

अभ्यास प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक)

प्रश्न 1. इंटरनेट के उपयोग को लेकर दो छात्रों के माध्य संवाद लिखिए। [KVS 2019] 5

उत्तर–

मोहन : क्या तुमने कल का गृहकार्य पूरा कर लिया ? तुमने किससे सहायता ली ?

सोहन : हाँ, मैंने इंटरनेट से सहायता ली।

मोहन : कैसे मित्र! यह क्या होता है ?

सोहन : इंटरनेट पर सभी विषयों के बारे में जानकारी उपलब्ध होती है।

मोहन : तुम्हें किसने बताया ?

सोहन : कल जब मैंने अपने बड़े भाई से सहायता माँगी तो उन्होंने मुझे इंटरनेट पर जानकारी के बारे में बताया।

मोहन : अच्छा, यह तो बड़ी अच्छी बात है।

सोहन : मित्र, अब हम अपना कार्य आसानी से कर सकेंगे।

मोहन : इंटरनेट पर हम और क्या-क्या कर सकते हैं ?

सोहन : इंटरनेट पर हम बैंकिंग, टिकिटिंग, शॉपिंग आदि अनेक कार्य घर बैठे कर सकते हैं।

मोहन : अरे वाह ! फिर तो मैं भी जरूर इंटरनेट से सहायता लूँगा। धन्यवाद मित्र ! इतनी उपयोगी जानकारी देने के लिए।

Edit with WPS Office